देय सहायता व्यक्तियों को प्रदान नहीं की जाती क्योंकि यह केवल कम्पनियों को दी जाती है । इस समय निश्चित रूप से यह बताना संभव नहीं है कि कितने एककों का आधुनिकीकरण किया गया है क्योंकि यह निधि योजना केवल दो वर्ष पुरानी है और इसके लिये औसत क्रियान्वयन अवधि लगभग 15 महीने है ।

विवरण

क्रम सं०	राज्य	31-5-1988 की स्थिति के अनुसार सूती/मानव निर्मित रेशा वस्त्र मिलों के बन्द होने से प्रभावित कामगारों की संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	2077
2.	बिहार	621
3.	गुजरात	55905
4.	हरियाणा	5056
5.	कर्नाटक	7703
6.	केरल	2823
7.	मध्य प्रदेश	5813
8.	महाराष्ट्र	23127
9.	उड़ीसा	679
10.	राजस्थान	4779
11.	तमिलनाडु	12622
12.	उत्तर प्रदेश	14121
13.	पं. बंगाल	21563
	योग :	156889

दिनांक 30-6-1988 की स्थिति के अनुसार, वस्त्र कामगार पुर्नस्थापन निधि में से कोई भुगतान नहीं किया गया है । इस वस्त्र कामगार पुर्नस्थापन निधि के उपयोग हेतु कोई निश्चित समयावधि अथवा निधियों की राशि निर्धारित नहीं की गई है । तथापि, सरकार ने इस प्रयोजन के लिये अब तक 8 करोड रु. की राशि की व्यवस्था की है । इस निधि योजना के अधीन सहायता हेतु पात्र केवल उन्हीं मिलों के कामगार होंगे जो 6-6-1985 को अथवा उसके बाद बन्द हो गई है । अथवा जिन मिलों की परिसंपत्तियों पर परिसमापक ने कब्जा कर लिया हो ।

Loans advanced by Nationalised banks to various sectors

2340. DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) what is the rate of recovery of loans advanced by nationalised banks from agricultural, industrial, commercial and other sectors; and

(b) how much amount is locked up in each sector, separately ?

THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI EDUARDO FALEIRO) : (a) and (b) Reserve Bank of India has reported that as at the end of June, 1987 the total overdues of Public Sector Banks amounted to Rs. 9733.11 crores constituting 16.8 per cent of their total outstanding advances. Sector-wise break up is given below :—

(Amount in Rs. crores)

Sector	Amount
(i) Industry	2613.37
(ii) Small Scale Industries including Industrial Estate	1936.80
(iii) Agriculture	2239.91
(iv) Other Priority Sector	1627.00
(v) All others	1316.03
TOTAL :	9733.11

Glut in Jute Market

2341. DR. YELAMANCHILI SIVAJI : Will the Minister of TEXTILES be pleased to state :

(a) whether it is fact that there is glut in Jute market; and